खबर संक्षेप

आंगन से बाइक उड़ाने वाले दो शातिर चोर दबोचे

शहडोल। इलाके में सक्रिय वाहन चोर गिरोह पर नकेल कसते हुए बुढ़ार थाने के अंतर्गत आने वाली चौकी केशवाही पुलिस ने मोटर सायकल चोरी की वारदात का महज कुछ ही दिनों में पर्दाफाश कर दिया है। खाकी के शिकंजे में आए रजबांध गांव के दो शातिर अजीत लाल पाव उम्र 20 वर्ष, दीपक लाल चौधरी उम्र 23 वर्ष को सलाखों के पीछे भेजकर पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि ग्राम रूपौला निवासी फरियादी राममनोहर चर्मकार के घर के आंगन में खड़ी एचएफ डीलक्स मोटर सायकल को बीती 2 मई की रात अज्ञात चोरों ने पार कर दिया था। वारदात के बाद केशवाही पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर चोरों की धरपकड़ के लिए जाल बिछाया। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक गंगा सिंह मार्को की टीम ने मुखबिरों को सक्रिय कर जब इन दोनों संदेहियों को उठाया और कड़ाई से पूछताछ की, तो इन्होंने अपना जुर्म उगल दिया। पुलिस ने इनके कब्जे से चुराई गई 20,000 कीमत की बाइक बरामद कर 19 मई को दोनों को सीधे न्यायालय में ठोक दिया। इस त्वरित और कडक कार्रवाई में सउनि संतोष सिंह, आरक्षक उमेश सिंह और जितेंद्र सिंह राठौर की भूमिका की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।

जयंत जिला जेल शहडोल की अशासकीय समिति के सदस्य नियुक्त

शहडोल। कोयलांचल क्षेत्र के उभरते युवा कारोबारी और भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय नेता जयंत जसवानी को केंद्रीय जेल शहडोल की जिला-स्तरीय अशासकीय समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत की गई है, जिसके बाद उनके समर्थकों और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। कार्यालय कलेक्टर (योजना एवं सांख्यिकी) शहडोल द्वारा जारी आधिकारिक आदेश पत्र के अनुसार, यह महत्वपूर्ण नियुक्ति मध्य प्रदेश शासन के माननीय इन-चार्ज (प्रभारी) मंत्री एवं उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के पत्र क्रमांक/1080/ दिनांक 15 मई की अनुशंसा के आधार पर की गई है। भारतीय जनता पार्टी संगठन और जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा की विशेष सहमति व अनुशंसा इस मनोनयन में बेहद महत्वपूर्ण रही। कलेक्टर शहडोल द्वारा हस्ताक्षरित इस सरकारी आदेश के तहत विभिन्न विभागों में जिला-स्तरीय समितियों के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई है, जिसमें जेल विभाग (केंद्रीय जेल शहडोल) के लिए जयंत जसवानी के नाम पर मुहर लगाई गई। अशासकीय सदस्य के रूप में वह जेल प्रबंधन, कैदियों के सुधार कार्यों और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी व क्रियान्वयन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। अपनी इस नई जिम्मेदारी पर आभार व्यक्त करते हुए जयंत जसवानी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा का धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे और जेल प्रशासन तथा समाज के बीच एक सकारात्मक कड़ी के रूप में कार्य करेंगे। उनकी इस नियुक्ति पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

उपार्जन केंद्रों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

शहडोल। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह द्वारा उपार्जन केंद्र जयसिंहनगर एवं अमझोर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जित गेहूँ की गुणवत्ता, तौल व्यवस्था, भंडारण व्यवस्था तथा किसानों के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के समय एसडीएम सुश्री काजोल सिंह ने केंद्रों पर उपस्थित किसानों से चर्चा कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त गेहूँ का उपार्जन सुनिश्चित किया जाए तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए।

आग उगल रहा आसमान
तवे सा तप रहा शहडोल...

44 डिग्री के पार पहुंचा पारा, लू के थपेड़ों ने थामी जिंदगी की रफ्तार

शहडोल।

हरियाली, पहाड़ और शांत वादियों के लिए पहचाने जाने वाला शहडोल इन दिनों आग के दरिया में तब्दील होता नजर आ रहा है। मई की तपती दोपहर में सूरज इस कदर कहर बरपा रहा है कि जिले का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। आसमान से बरसती आग और लू के थपेड़ों ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि दोपहर होते ही शहर की सडक़ें सूनी पड़ जाती हैं और बाजारों में कफ्र्यू जैसा सन्नाटा दिखाई देने लगता है। जून आने से पहले ही मौसम ने अपने तेवर इतने तल्ख कर दिए हैं कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने को मजबूर हैं। दोपहर में सडक़ें तपते तवे जैसी नजर आ रही हैं। मजदूर वर्ग और रोज कमाने-खाने वाले लोगों की सबसे ज्यादा मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिन्हें मजबूरी में भीषण गर्मी के बीच काम करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल और निजी क्लीनिकों में उल्टी, चक्कर, डिहाइड्रेशन, बुखार और लू से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। डॉक्टर लोगों को धूप से बचने, सिर ढंककर निकलने और अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दे रहे हैं। इधर गर्मी के साथ बिजली संकट ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बार-बार बिजली गुल होने से लोग रातभर बेचैन हो रहे हैं। बिजली कटते ही कूलर और पंखे बंद पड़ जाते हैं और घर भट्टी जैसे महसूस होने लगते हैं। ग्रामीण इलाकों में घंटों बिजली कटौती से हालात और ज्यादा खराब बताए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान और बढऩे की संभावना जताई है। ऐसे में लोगों की चिंता बढ़ गई है। फिलहाल शहडोल भीषण गर्मी और लू की चपेट में है, जहां राहत के आसार दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे।

विंध्य की विराट धरा पर सरसंघचालक का वैचारिक अनुष्ठान
बैन के दौर से जेड+ सुरक्षा तक

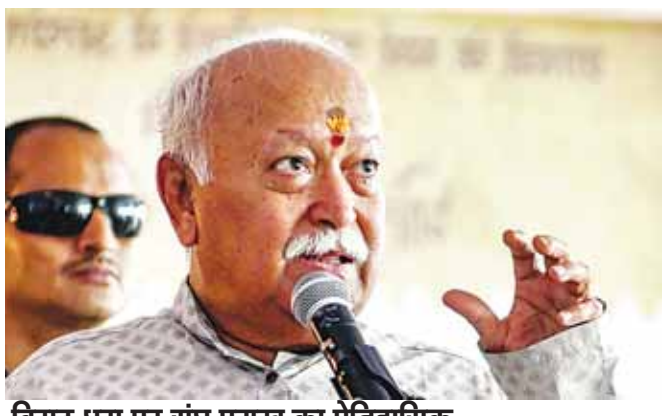

विराट धरा पर संघ प्रमुख का ऐतिहासिक द्वितीय आगमन

शहडोल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत बुधवार को अपने जीवन में दूसरी बार शहडोल जिले की पावन धरा पर पहुंचे। पूर्व निर्धारित समय से कुछ मिनटों की देरी से, सुबह ठीक 8:30 बजे उनका काफिला पांडव नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर पहुंचा। संघ प्रमुख के इस ऐतिहासिक द्वितीय प्रवास को लेकर पूरे विंध्य और महाकौशल अंचल के स्वयंसेवकों में अभूतपूर्व उत्साह है, वहीं प्रशासन ने सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए हैं कि परिंदा भी पर न मार सके।

कलेक्टर-एसपी सहित तीन जिलों का पुलिस बल तैनात

बुधवार सुबह जब संघ प्रमुख सडक़ मार्ग से शहडोल सीमा में दाखिल हुए, तो प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद दिखा। अगवानी के लिए शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव और सोहागपुर एसडीएम सहित तीन जिलों के आला अधिकारी और भारी पुलिस बल तैनात रहा। डॉ. भागवत को जेड+ श्रेणी की सुरक्षा घेरे में कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। सुरक्षा के मद्देनजर पांडव नगर क्षेत्र के 500 मीटर के दायरे को नो फ्लाई ज़ोन घोषित कर ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी और 350 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

जब 1992 में बैन के साए में आए थे भागवत

संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भावुक होते हुए बताया कि डॉ. मोहन भागवत का शहडोल की इस विराट धरा पर यह दूसरा आगमन है। इससे पहले, सन 1992 में वे दो दिनों के प्रवास पर शहडोल के बुढ़ार आए थे। वह दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था, राम मंदिर आंदोलन के चलते संघ पर प्रतिबंध (बैन) लगा हुआ था और डॉ. भागवत उस समय अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बैन के बावजूद वे लगातार दौरों पर थे। तब संघ ने राम सेवा समिति के बैनर तले सप्ताह भर का गोपनीय शिविर लगाया था। बुढ़ार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के कक्ष क्रमांक 02 के अत्यंत सादे परिवेश में उन्होंने दो दिन बिताए थे और कार्यकर्ताओं को वैचारिक व बौद्धिक पाथेय दिया था। इसके बाद वर्ष 2010 में भी उनके शहडोल आने का कार्यक्रम बना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वह टल गया था। आज 1992 के उस संघर्षपूर्ण दौर के बाद, उनका यह दूसरा आगमन संघ के दमन से वैभव तक के सफर की जीती-जागती कहानी बयां कर रहा है।

आदिवासी बेल्ट और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

शहडोल और आसपास का पूरा इलाका जनजातीय बाहुल्य है। इस अंचल में बढ़ती वैचारिक चुनौतियां और धर्मांतरण की कोशिशें हमेशा से संघ के विमर्श के मुख्य केंद्र में रही हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमाओं को जोडऩे वाले इस रणनीतिक केंद्र से डॉ. मोहन भागवत सामाजिक समरसता का जो मूल मंत्र दे रहे हैं, वह आदिवासी समाज के भीतर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सनातनी पहचान को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

सत्ता विरोधी लहर की जमीनी काट

चुनावी राजनीति से सीधी दूरी बनाकर रखने के बावजूद संघ हमेशा भाजपा का सबसे मजबूत वैचारिक आधार स्तंभ रहा है। इस बंद कमरे के कड़े प्रशिक्षण मंथन में जो अनुशासित और वैचारिक कैडर तैयार किया जा रहा है, वह आने वाले समय में धरातल पर जाकर एंटी-इंकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) के प्रभाव को पूरी तरह निष्प्रभावी करने और व्यापक सामाजिक एकजुटता बनाने में बेहद अहम भूमिका निभाएगा।

भविष्य की नई सांगठनिक दिशा

बुढ़ार के कक्ष क्रमांक 02 की ऐतिहासिक सादगी से लेकर आज पांडव नगर की आधुनिक जेड+ सुरक्षा तक, सरसंघचालक का यह दूसरा प्रवास विंध्य की सामाजिक और राजनीतिक आबोहवा को एक नई दिशा देने वाला है। डॉ. भागवत 22 मई की रात को वापस रवाना हो जाएंगे, लेकिन उनके इस तीन दिवसीय वैचारिक अनुष्ठान का व्यापक असर आने वाले समय में क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

नगर पालिका कर्मचारियों को एरियर का पूर्ण भुगतान, कार्यालय में खुशी का माहौल

शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल के कर्मचारियों के लिए आज का दिन बड़ी राहत लेकर आया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कड़े निर्देशों तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी के कुशल मार्गदर्शन में, कर्मचारियों को उनकी लंबे समय से लंबित एरियर राशि का पूर्ण भुगतान कर दिया गया है। जैसे ही कर्मचारियों के बैंक खातों में एरियर की द्वितीय किस्त की शेष राशि जमा हुई, पूरे कार्यालय में उत्सव सा माहौल निर्मित हो गया। कर्मचारियों ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन और नगर पालिका प्रबंधन का आभार जताया है।

लंबे समय से की जा रही थी मांग

नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी संगठन पिछले कुछ समय से एरियर की दूसरी किस्त के भुगतान की मांग कर रहे थे। कर्मचारियों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय दिया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मामले में त्वरित हस्तक्षेप करते हुए वित्तीय प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, जिससे रिकॉर्ड समय में यह भुगतान सुनिश्चित हो सका। प्रशासन की इस पहल से कर्मचारियों की आर्थिक चिंताएं दूर हुई हैं और उनमें भारी संतोष है।

कर्मचारियों का हित < सर्वोच्च प्राथमिकता

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएमओ श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने कहा कि कर्मचारियों के हितों का संरक्षण नगर पालिका प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी लंबित देयों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया गया है, ताकि कर्मचारी अब और अधिक ऊर्जा व बेहतर मनोयोग के साथ अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

काम नहीं तो वेतन नहीं की नीति भी होगी लागू

सीएमओ ने स्पष्ट किया कि जहां प्रशासन कर्मचारियों के हक के लिए सदैव सकारात्मक भूमिका निभाएगा, वहीं कर्मचारियों को भी शहर को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श बनाने में पूरी निष्ठा से कार्य करना होगा। प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने के लिए नगर पालिका में काम नहीं, वेतन नहीं (नो वर्क, नो पे) की कार्यप्रणाली सख्ती से लागू की जाएगी। इसके साथ ही, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित व सम्मानित भी किया जाएगा। इस कल्याणकारी पहल से नगर पालिका अमले का मनोबल बढ़ा है और प्रशासन व कर्मचारियों के बीच सकारात्मक कार्य वातावरण मजबूत हुआ है। नगर पालिका ने भविष्य में भी कर्मचारियों की समस्याओं हेतु पारदर्शी व त्वरित कार्यवाही जारी रखने का आश्वासन दिया है।

घोषणा के डेढ़ माह बाद भी अधर में एल्डरमैन की नियुक्ति बकहो नगर परिषद में अपनों को ही अपनों का डर!

अमलाई। नगर परिषद बकहो में इन दिनों सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सरकार और संगठन की मंशा को ताक पर रखकर परिषद प्रशासन किस कदर अपनी मनमर्जी चला रहा है, इसका जीता-जागता उदाहरण एल्डरमैन की नियुक्ति प्रक्रिया है। एल्डरमैन के पदों की घोषणा हुए करीब डेढ़ महीना बीत चुका है, लेकिन अब तक चयनित सदस्यों को न तो नियुक्ति पत्र मिला है और न ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया है। घोषित नामों में पंकज नापित (वार्ड 01), अनिल वर्मा (वार्ड 04), राहुल जैन (वार्ड 04) एवं रजनीश प्रसाद मिश्रा (वार्ड 09) जैसे कद्दावर चेहरे शामिल हैं। इसके बावजूद परिषद प्रशासन की रहस्यमयी चुप्पी ने अब नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) की कार्यप्रणाली को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया है।

निगरानी और खुलासे के डर से रोकी प्रक्रिया

क्षेत्र में यह चर्चा बेहद गर्म है कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी या डर है, जिसके चलते जानबूझकर इस प्रक्रिया को लटकाया जा रहा है। स्थानीय प्रबुद्ध जनों और राजनीतिक गलियारों में साफ कहा जा रहा है कि एल्डरमैन की नियुक्ति होते ही परिषद के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और पार्षदों की निगरानी बढ़ेगी। दबी जुबान में आरोप लग रहे हैं कि जिम्मेदार लोग अपने ही कारनामों और वित्तीय गड़बड़ियों के उजागर होने के डर से इस प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाने दे रहे हैं।

ठंडे बस्ते में अंत्योदय समिति

परिषद की तानाशाही का आलम सिर्फ एल्डरमैन नियुक्ति तक सीमित नहीं है। गरीबों के कल्याण और क्षेत्रीय समस्याओं के निराकरण के लिए गठित अंत्योदय समिति की बैठक भी घोषणा के बाद से आज तक नहीं बुलाई गई। विकास कार्यों की समीक्षा करने वाली इस महत्वपूर्ण समिति को ठंडे बस्ते में डालना परिषद की नीयत पर बड़ा सवालिया निशान है।

संगठन से बगावत कर पाए पद

नगर परिषद बकहो में इस समय भरेंशाही और अफसरशाही का मिलाजुला खेल चल रहा है। सूत्रों की मानें तो वर्तमान अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने संगठन व पार्टी की मंशा के विपरीत जाकर पद हासिल किया था। अब वही लोग पार्टी के नियम-कायदों और कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ठेंगा दिखा रहे हैं। शासन द्वारा जनहित में गठित समितियों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे जमीनी कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है।

जनता में भारी नाराजगी, विकास कार्य ठप

इस प्रशासनिक सुस्ती और कथित सोची-समझी रणनीति के कारण नगर विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले अटके हुए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि पारदर्शिता से बचने का एक सुनियोजित प्रयास है। यदि जल्द ही एल्डरमैन को पदभार नहीं दिलाया गया और समितियों की बैठकें शुरू नहीं हुईं, तो यह आक्रोश बड़े जनांदोलन का रूप ले सकता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और वरिष्ठ राजनेता इस मनमर्जी पर कब तक लगाम कसते हैं, या फिर बकहो नगर परिषद यूँ ही अंधेर नगरी की तर्ज पर चलती रहेगी।

सेवा के बजाय राजनीति का अखाड़ा बनता जा रहा संस्थान
शहडोल मेडिकल कॉलेज में प्रशासनिक रार

डीन के रवैये पर उठे सवाल

शहडोल।

संभाग का सबसे बड़ा चिकित्सा केंद्र, बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय इन दिनों अपनी स्वास्थ्य सेवाओं से ज्यादा आंतरिक गुटबाजी और प्रशासनिक खींचतान को लेकर सुर्खियों में है। आलम यह है कि जिस संस्थान को आम जनता को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए स्थापित किया गया था, वह अब कथित तौर पर खुद कर्मचारियों को आपसी राजनीति में उलझाकर रखने का केंद्र बनता जा रहा है। लगातार आ रहे अजीबोगरीब प्रशासनिक फैसलों ने अस्पताल की व्यवस्था को पटरी से उतार दिया है।

मनमानी नियुक्तियां और अचानक हटाना

संस्थान में विवाद की शुरुआत तब हुई जब पूर्व में दो नर्सिंग स्टाफ को नियमों को दरकिनार कर मनमर्जी से महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां दी गईं। कुछ समय तक यह मामला शांत रहा, लेकिन हाल ही में 15 मई 2026 को कार्यालयीन आदेश (क्रमांक 2857) जारी कर प्रभारी नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती दीपा रोहाणी कनौजिया को तत्काल प्रभाव से पद से भारमुक्त कर दिया गया। इस आदेश के बाद मेडिकल कॉलेज के भीतर सुगबुगाहट तेज हो गई है। अब यह सवाल उठ रहा है कि जब एक कर्मचारी को हटाया गया, तो दूसरे को किस आधार पर उसी ढर्रे पर कार्य करने दिया जा रहा है? सूत्रों के अनुसार, कॉलेज प्रबंधन में तीन से चार अलग-अलग धड़े सक्रिय हैं, जो अपने चहेतों को इस महत्वपूर्ण कुर्सी पर बैठाने की होड़ में लगे हैं।

कड़े फरमान से चरमराईं स्वास्थ्य सेवाएं

इस आंतरिक राजनीति का सबसे गंभीर असर मरीजों पर पड़ रहा है। प्रभारी नर्सिंग अधीक्षक को हटाने के बाद, आगामी रणनीति तय करने के लिए डीन कार्यालय द्वारा 18 मई 2026 को एक और आदेश (क्रमांक 3170) जारी किया गया। इसमें 19 मई (मंगलवार) को दोपहर 12:00 बजे अस्पताल के लेक्चर हॉल में समस्त नर्सिंग ऑफिसर्स की सामान्य बैठक बुलाई गई। आदेश में आपातकालीन ड्यूटी को छोडक़र सभी के लिए उपस्थिति अनिवार्य की गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि एक साथ पूरे नर्सिंग स्टाफ को प्रशासनिक बैठक में बुलाने से अस्पताल की सामान्य वार्ड सेवाओं पर विपरीत असर पड़ा। जिस नर्सिंग स्टाफ का मूल काम मरीजों की तीमारदारी और व्यवस्था देखना है, उन्हें प्रशासनिक उलझनों में झोंक दिया गया।

डीन के तानाशाही रवैये और अभद्रता के आरोप

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को आयोजित इस बैठक का माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बैठक शुरू होने से पहले ही कर्मचारियों पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया। जब स्टाफ उपस्थित होने लगा, तो उनसे तीखे सवाल किए जाने लगे। हद तो तब हो गई जब चर्चा के दौरान डीन के पद पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी द्वारा मर्यादा की सीमाएं लांघने की बात सामने आई। बताया जा रहा है कि खासकर महिला नर्सिंग स्टाफ के साथ बातचीत में तू-तड़ाक और कुछ अशोभनीय शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जो इतने गरिमामयी पद पर बैठे व्यक्ति को शोभा नहीं देता। इस अमर्यादित व्यवहार को लेकर कुछ महिला कर्मचारी गहरे आक्रोश में आ गईं, जिसके बाद मौके पर जैसे-तैसे मामले को शांत कराया गया।

जल्द बड़ी शिकायत में तब्दील हो सकता है मामला

हालांकि, प्रशासनिक रसूख और कार्यवाही के डर से फिलहाल कोई भी कर्मचारी लिखित शिकायत देने के लिए खुलकर सामने नहीं आ रहा है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि यह खामोश तूफान की आहट है। पीड़ित कर्मचारियों ने डीन के साथ हुई इस पूरी बातचीत और विवाद का ऑडियो-वीडियो रिकॉर्ड कर लिया है, जो कभी भी सोशल मीडिया पर वायरल हो सकता है। संस्थान के भीतर चल रही यह चर्चा अब जोर पकड़ रही है कि डीन के इस कथित अमर्यादित आचरण और अपशब्दों के खिलाफ जल्द ही उच्च स्तर पर एक औपचारिक और बड़ी सामूहिक शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कुल मिलाकर, शहडोल मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की यह आंतरिक राजनीति अब आम जनता की सेहत पर भारी पडऩे लगी है।

नंदी गौ सेवा धाम के सदस्यों ने किया अज्ञात महिला का अंतिम संस्कार

शहडोल। स्थानीय रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव मिलने से क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) तत्काल मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मृतका की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। हालांकि, काफी कोशिशों के बाद भी जब महिला के परिजनों या उनकी पहचान के संबंध में कोई सुराग नहीं मिल सका, तो पुलिस ने स्थानीय समाजसेवियों से संपर्क साधा। महिला के शव को ससम्मान सुरक्षित रखने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत बसाक से संपर्क किया गया। उनके सहयोग से शव वाहन की व्यवस्था की गई। इसके बाद नंदी गौ सेवा धाम के सदस्यों ने पूर्ण संवेदनशीलता दिखाते हुए माता के पार्थिव शरीर को जिला अस्पताल के मर्चुरी रूम में सुरक्षित रखवाया।

पहचान न होने पर लिया गया अंतिम संस्कार का निर्णय-

नियमानुसार तय समय सीमा बीत जाने और रेलवे पुलिस के तमाम प्रयासों के बाद भी जब शव की शिनाख्त नहीं हो पाई, तब मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतिम संस्कार का निर्णय लिया गया। इस पुनीत कार्य के लिए रेलवे पुलिस ने स्थानीय पार्षद और समाजसेवी सिल्लु रजक से संपर्क किया। पार्षद की पहल पर नगर पालिका के माध्यम से जेसीबी मशीन की व्यवस्था कराई गई।

खबर संक्षेप

अवैध रेत परिवहन करते ट्रेक्टर-ट्रॉली जप्त

राजनगर। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम, एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में जिले में अवैध रेत खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना रामनगर पुलिस द्वारा रात्रि गश्त के दौरान अवैध रेत परिवहन करते हुए एक स्वराज ट्रेक्टर-ट्रॉली जप्त की गई। थाना रामनगर में सूचना प्राप्त होने पर 20 मई को सुबह 03.15 बजे करीब थाना से रवाना पुलिस टीम द्वारा बिना नंबर का नीले रंग का स्वराज ट्रेक्टर रेत लोड कर कटकोना घाट से सेमरा-हर्री तरफ जा रहा है। उक्त वाहन को तत्काल घेराबंदी कर रोका गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम कुशल दास चन्द्रा पिता राजाराम चन्द्रा उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम कटकोना थाना बिजुरी जिला अनूपपुर (म.प्र.) बताया। जांच के दौरान ट्रेक्टर-ट्रॉली में लगभग 03 घन मीटर अवैध रेत लोड पाई गई। चालक द्वारा रेत परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर पुलिस द्वारा बिना नंबर का नीले रंग का स्वराज ट्रेक्टर सहित ट्रॉली एवं लगभग 03 घन मीटर रेत, कुल अनुमानित कीमत लगभग 7,05,000 रुपये को जप्त किया गया। उक्त मामले में आरोपी चालक के विरुद्ध धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएसएस एवं 4/21 खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

ग्राम बेलिया में हुआ बोरी बंधान

जैतहरी। मुख्यमंत्री के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम में जल संरक्षण को लेकर ग्राम बेलिया के तीपान नदी में जनभागीदारी से बोरी बन्धान किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड जैतहरी की नवांकुर संस्था आनंदम सोशल वेलफेयर सोसायटी धनगंवा पूर्वी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बेलिया के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम बेलिया के तीपान नदी में बोरी बंधान का कार्य किया गया।

खाकी के चंगुल से भागा संदेही व्यापारी, उठ रहे गंभीर सवाल

जिले के इन्दवार थाना पुलिस की घोर लापरवाही और सुस्त कार्यप्रणाली का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ग्राम पल्झा में हुई सनसनीखेज लूटकांड की कड़ियां जोड़ रही पुलिस को उस समय तगड़ा झटका लगा, जब उसकी गिरफ्त में आया एक संदेही सराफा व्यापारी पुलिस अभिरक्षा से बड़ी आसानी से रफूचक्कर हो गया।

उमरिया।

इस दुस्साहसिक घटना ने न सिर्फ पुलिस महकमे में हडक़ंप मचा दिया है, बल्कि खाकी की सुरक्षा व्यवस्था और मुस्तैदी की भी धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

लूट के माल का खरीदार था व्यापारी

सूत्रों के मुताबिक, कुछ दिनों पूर्व घुनघुटी क्षेत्र में हुई चोरी और लूट की वारदात के बाद पाली पुलिस ने आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा था। इसके बाद इन्दवार पुलिस ने जब मामले को टेकओवर कर रिमांड पर सख्ती से पूछताछ की, तो परतें खुलती चली गईं। आरोपियों ने कबूला कि पल्झा लूट का सोना-चांदी बरही के एक रसूखदार सराफा व्यापारी को खपाया गया था। इस पुख्ता इनपुट के बाद पुलिस ने दबिश देकर संदेही व्यापारी को कस्टडी में लिया था।

थाने से कैसे लापता हुआ संदेही

बुधवार दोपहर को इन्दवार थाने की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए यह व्यापारी पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गया। सवाल यह उठता है कि भारी सुरक्षा वाले थाने से कोई संदेही बिना किसी अंदरूनी लापरवाही के कैसे भाग सकता है? क्या पुलिस की नजरें इतनी कमजोर थीं या फिर इसके पीछे कोई कथित साठगांठ है? इस घटना के बाद से ही पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं आम हैं और पुलिस बैकफुट पर नजर आ रही है।

थाना प्रभारी का बचाव

मामले की गंभीरता को देखते हुए जब इन्दवार थाना प्रभारी विजय सिंह पाटले से बात की गई, तो उन्होंने डैमेज कंट्रोल करते हुए कहा कि फरार व्यक्ति लूट का नामजद आरोपी नहीं है, उसे केवल पूछताछ के लिए लाया गया था। फिलहाल पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं, लेकिन साहब, सवाल यह है कि अगर वह सिर्फ संदेही था, तो उसे भागने की जरूरत क्यों पड़ी? बहरहाल, इस कांड ने उमरिया पुलिस की चौकसी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न जरूर खड़ा कर दिया है।

एसडीएम बांधवगढ ने किया आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरिया केंद्र का निरीक्षण

उमरिया।

अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरिया केंद्र गोदाम का निरीक्षण का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान बताया गया कि खरीदे गये कुल अनाज की मात्रा 6707 क्विंटल है । प्राप्त बारदानों की संख्या 13500 है । उपयोग हुए बारदानो की संख्या 13174 है । निरीक्षण के समय प्रबंधक भी उपस्थित रहे ।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई जारी

अवैध मुरूम परिवहन करते 1 ट्रैक्टर जब्त

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु खनिज विभाग द्वारा लगातार सघन जांच और कार्रवाई की जा रही है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, सहायक खनिज अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनिज निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनिज निरीक्षक एन.एस. आर्मो की संयुक्त टीम द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सतत भ्रमण कर निरीक्षण किया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान चपहा कॉलरी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 78 पर ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 54 ए 7509 को रोका गया। जांच में वाहन में लगभग 3 घनमीटर मुरूम बिना रॉयल्टी रसीद एवं बिना ई-ट्रांजिट पास (ईटीपी) के परिवहन करते पाया गया। वाहन चालक पप्पू बैगा, पिता गोपाली बैगा, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम ददरी, तहसील बांधवगढ़, जिला उमरिया द्वारा अवैध रूप से खनिज परिवहन किया जा रहा था। ट्रैक्टर को जप्त कर थाना कोतवाली उमरिया में अभिरक्षा हेतु खड़ा कराया गया है। प्रकरण में मध्यप्रदेश खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

बीपीएल कार्डधारी पर करोड़ों की संपत्ति जुटाने के आरोप मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आयकर विभाग से शिकायत

महिला स्व-सहायता समूह की राशि हड़पने एवं आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जिले के ग्राम छिल्पा से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राम निवासी सुखनिधान साहू ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा आयकर विभाग को लिखित शिकायत भेजकर अभिमन्यु कुमार साहू पर महिला स्व-सहायता समूहों की अनुदान राशि के दुरुपयोग, आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने तथा शासकीय योजनाओं में अनियमितता के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में शिकायतकर्ता सुखनिधान साहू ने आरोप लगाया है कि अभिमन्यु कुमार साहू पिता रमेश प्रसाद साहू निवासी ग्राम छिल्पा द्वारा "आरती स्व-सहायता समूह", विश्वकर्मा स्व-सहायता समूह" एवं "जय मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह" की महिलाओं को मिलने वाली अनुदान राशि का दुरुपयोग किया गया। शिकायत में कहा गया है कि उक्त समूहों को शासन द्वारा महिलाओं के रोजगार एवं आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से अनुदान राशि प्रदान की गई थी, लेकिन बैंक से राशि निकलवाकर उसका उपयोग निजी संपत्ति खरीदने में किया गया। शिकायत में विशेष रूप से यह उल्लेख किया गया है कि मात्र तीन माह की अवधि 1 जनवरी 2023 से 31 मार्च 2023 के बीच लगभग 24 लाख रुपये मूल्य की जमीन खरीदी गई। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि एक बीपीएल कार्डधारी परिवार इतने कम समय में इतनी बड़ी राशि की संपत्ति कैसे अर्जित कर सकता है। इस खरीद को लेकर गांव में भी चर्चाओं का दौर जारी है और लोग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। पत्र में दावा किया गया है कि वर्ष 2020 से पहले संबंधित परिवार के पास दो हेक्टेयर से भी कम जमीन थी, लेकिन वर्ष 2021 में लगभग 6 लाख रुपये की भूमि खरीदी गई। इसके बाद वर्ष 2023 में लाखों रुपये मूल्य की तीन जमीनों का क्रय किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इसके अलावा वर्ष 2023 मॉडल का मैसी ट्रैक्टर खरीदा गया तथा लगभग 20 कमरों का आलीशान भवन भी बनवाया गया है। शिकायतकर्ता ने यह भी उल्लेख किया है कि अभिमन्यु कुमार साहू एवं उनके पिता अलग-अलग बीपीएल कार्डधारी हैं और वर्तमान में भी शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पत्र में सवाल उठाया गया है कि एक बीपीएल परिवार इतने कम समय में इतनी बड़ी संपत्ति कैसे अर्जित कर सकता है। शिकायतकर्ता ने इसे गरीब महिलाओं के हक पर डाका बताते हुए मामले की गंभीर जांच की मांग की है। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त वाणिज्यिक कर योजना तथा सांख्यिकी विभाग के मंत्री को भेजे गए पत्र में भी इसी प्रकार आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया है शिकायतकर्ता ने पत्र में कहा है कि यदि आय के स्रोतों की निष्पक्ष जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता की धारा 269 के तहत विशेष निगरानी एवं जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। इसी मामले को लेकर आयकर विभाग भोपाल को भी अलग से आवेदन भेजा गया है। शिकायतकर्ता ने आयकर विभाग से अभिमन्यु कुमार साहू की संपत्तियों, बैंक खातों तथा आय के स्रोतों की विस्तृत जांच कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि यदि एक बीपीएल कार्डधारी व्यक्ति अल्प समय में लाखों रुपये की जमीन, ट्रैक्टर एवं आलीशान भवन का मालिक बन जाता है, तो यह जांच का गंभीर विषय है। तीनों शिकायत पत्रों में यह भी आरोप लगाया गया है कि महिलाओं के स्व-सहायता समूहों के नाम पर मिली सरकारी राशि का उपयोग वास्तविक उद्देश्य के बजाय निजी लाभ के लिए किया गया शिकायतकर्ता ने संबंधित समूहों को ब्लैकलिस्ट करने तथा पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

जनमन कार्यक्रम अंतर्गत डोडका ग्राम में संतृप्ति शिविर आयोजित सबसे पहले थीम पर पौधारोपण एवं स्वास्थ्य परीक्षण संपन्न

उमरिया।

जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम डोडका में जनमन कार्यक्रम के तहत संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की थीम सबसे दूर, सबसे पहले रही, जिसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं एवं मूलभूत सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।

शिविर के दौरान ग्राम में पौधारोपण किया गया तथा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्रामीणों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। जनमन कार्यक्रम के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम डोडका में आयोजित यह संतृप्ति शिविर इसी उद्देश्य की सफल पहल रहा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत मानपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), स्वास्थ्य विभाग की टीम, एडीईओ, सरपंच, सचिव तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पीने के पानी के लिए भटक रहे ग्रामीण, 2 किलोमीटर दूरी से पानी लेकर आने को है मजबूर

मामला जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत भाटाडांड का

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

शासन द्वारा वर्तमान में गंगाजल संवर्धन योजना पूरे प्रदेश में चल रही है और शासन का यह उद्देश्य है कि प्रदेश के किसी भी गांव में ग्रामीणों को पेयजल की समस्या ना हो इसी योजना के तहत अनूपपुर जिले में 30 मार्च से 30 जून तक गंगा जल संवर्धन योजना चलाया जा रहा है। जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत भाटाडांड मे ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा जिले में अधिकारियों की मीटिंग लेते हुए साफ निर्देश दे रहे हैं कि ग्रीष्मकाल में ग्रामीणों को पानी की समस्या से न जूझना पड़े ग्रामीण क्षेत्रों में नल जल योजना के तहत कार्य करवाया जा रहा है उसे तत्काल ही पूर्ण करवाते हुए ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाई जाये जहां नल जल बंद है उसका सुधार कार्य करवाया जाये। वावजूद इसके ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं कोसों दूर से पानी ढोकर लाने को मजबूर हैं। हर घर नल जल योजना के तहत घर घर पानी पहुंचाने के लिए योजनाएं बना रही है और शासन का लक्ष्य है कि कोई भी गांव के लोग पीने के पानी के लिए परेशान ना हो। और जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना का कार्य करोड़ों रुपए खर्च कर नल जल योजना के तहत पाइपलाइन का विस्तार पानी की टंकी का निर्माण करवाते हुए योजना संचालित करवा रही है। जिसके लिए जल जीवन मिशन विभाग के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करवाते हुए ग्राम पंचायत को हैंडओवर भी कर दिया गया है लेकिन ग्राम पंचायत सही ढंग से संचालित नही करवाया पा रही हैं। जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण 28 अप्रैल से 13 मई तक सप्लाई बंद रहा उसके बाद दो दिन पानी सप्लाई किया गया लेकिन मंगलवार को फिर से पानी सप्लाई बंद रहा।

बता रहे परेशानी

भाटाडांड पंचायत के जिम्मेदारों के द्वारा ग्रामीणों को कही स्टार्टर खराब होने की बात कही जा रही है लेकिन अब स्टार्टर भी ठीक हो गया लेकिन उसके बाद भी नल जल योजना का लाभ सही ढंग से ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। भाटाडांड गांव मे कुल पांच हैंडपंप लगे हैं जिनमे से चार हैंडपंप चालू हालत मे है लेकिन उसमें से भी घंटो मसक्त करने के बाद एक बाल्टी पानी मुश्किल से निकलता है। बताया जाता है कि जलस्तर काफी नीचे होने के कारण हर बर्ष गार्मी के मौसम मे पानी की समस्या उत्पन्न हो जाती है। भाटाडांड गांव के ग्रामीण पानी के लिए काफी परेशानी का सामना करते हुए गांव से दो किलोमीटर दूर दूसरे केवई नदी तथा निजी घरो मे लगे बोर तथा लंबी कतार हैंडपंप मे लगाते हुए सिर पर या साइकिल मे डिब्बा बांधकर ढोते हैं तब कहीं जाकर उन्हें उपयोग के लिए पानी मिल पाता है। कुआं भी जलस्तर कम होने की वजह से सूख गए हैं।

कलेक्टर का आदेश भी बेअसर

कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों को निर्देश दिए गए थे कि किसी भी ग्राम पंचायत मे पानी की समस्या उत्पन्न न हो नलजल योजना का संचालन सुचारु रूप से किया जाये जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी के मौसम मे पानी की समस्या से परेशान न होना पड़े लेकिन ग्राम पंचायतों के जिम्मेदारों को कलेक्टर के आदेश की भी परवाह नही है। सांसद मंत्री एवं कलेक्टर के आदेश को भी दरकिनार किया जा रहा है। जबकि पूर्व मे शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह एवं मंत्री दिलीप जायसवाल ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों को साफ तौर पर निर्देश दिए हैं कि जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर नल जल योजना के तहत जो कार्य रुके हैं उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण कर लिया जाए जिसके कारण ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना ग्रीष्म ऋतु में ना करना पड़े। वहीं जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा हर बैठकों में जल जीवन मिशन के अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया जा रहा है कि जिन गांवों में नल जल योजना का कार्य अधूरा पड़ा है उसे ठेकेदार के माध्यम से पूर्ण करवाया जाए तथा ग्राम पंचायतों के द्वारा सही ढंग से नलजल योजना का संचालन किया जाये लेकिन कलेक्टर के निर्देश के बाद भी विभागीय अधिकारियों की लापरवाही एवं सरपंच सचिव के मनमर्जी के कारण ग्रामीण परेशान हो रहे हैं।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र

मध्य प्रदेश के अंतिम छोर में बसा जनपद पंचायत कोतमा का ग्राम पंचायत भांटाडांड जिसकी आबादी लगभग दो हजार के आसपास है। ग्राम पंचायत अंतर्गत तीन टोला मोहल्ला जिसमें केवट एवं बैगान टोला तथा नया टोला आते हैं। और यह गांव आदिवासी बाहुल्य गांव है । और यह पूरी तरह से नल जल योजना पर निर्भर है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में गांव के अंदर कुंआ सूखने के कगार पर है जल स्तर भी कम हो रहा है। तीनों टोला मिलाकर सार्वजनिक पांच हैंड पंप लगे हुए हैं। बैगान टोला मे जयसिंह के घर के पास स्थित इंदारा भी सूखने की कगार पर है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव से दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित ठोढ़ी से डिब्बा में साइकिल में या सिर के ऊपर तथा कमरी में रखकर निस्तार के लिए पानी लाने को मजबूर है।

योजना को लगा रहे पलीता

शासन की योजना है कि हर घर नल जल योजना के माध्यम से ग्रामीणों को पानी उपलब्ध हो सके इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च करके नलजल योजना संचालित किया गया है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा शासन की योजना को पलीता लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। शहडोल संभाग के इकलौते मंत्री दिलीप जायसवाल के गृह निवास बिजुरी से ग्राम पंचायत भाटाडांड की दूरी महज तेरह किलोमीटर ही है। और उन्हीं के क्षेत्र में ही नल जल योजना का यह हाल है जिसके कारण ग्रामीण जन पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। जब यह हाल मंत्री के गृह क्षेत्र से लगे हुए गांव का है इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूरे जिले में नल जल योजना का हाल क्या होगा।

खबर संक्षेप

तखला गांव के खेत में लगी आग, मशक्कत के बाद पाया काबू

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तखला में एक खेत में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। चिलचिलाती गर्मी और तेज हवाओं के बीच देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग तेजी से बस्ती की ओर बढ़ने लगी। आग को बढ़ता देख पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार की स्थिति निर्मित हो गई। खेत में लगी आग की जानकारी मिलते ही सरपंच अनिल सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने पानी, मिट्टी व अन्य उपलब्ध पारंपरिक संसाधनों की मदद से अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया लेकिन आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीणों के प्रयासों के बावजूद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आ सकी। आग जब बेकाबू होने लगी तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम संसाधनों के साथ मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने भारी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि आग को गांव की सीमा में घुसने से पहले ही रोक दिया गया, जिससे एक बहुत बड़ी और भयावह दुर्घटना होते-होते टल गई। जानकारी के अनुसार इस अग्निकांड में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग आग लगने की वजहों की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

अनूप सिंह ठाकुर संभालेंगे यातायात थाना की कमान

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश के तहत निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर को यातायात थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए इस फेरबदल को जिले की यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं राहुल पांडे को पुलिस कंट्रोल रूम का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार राहुल पांडे अब कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं, आपातकालीन सूचनाओं के समन्वय तथा पुलिस संचालन की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

दो वार्डों में रासायनिक धुएं का किया छिड़काव

कटनी। मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में व्यापक स्तर पर फॉगिंग अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया स्वास्थ्य अमले द्वारा सोमवार शाम बाल गंगाधर तिलक वार्ड एवं रघुनाथ गंज वार्ड की विभिन्न गलियों, आवासीय क्षेत्रों एवं अन्य स्थानों पर रासायनिक धुएं का छिड़काव कर मच्छरों के विनिष्टीकरण की कार्यवाही की गई । अभियान के अंतर्गत दो वार्डों की विभिन्न गलियों में विशेष रूप से फॉगिंग मशीनों के माध्यम से रासायनिक धुआं छोड़ा गया, जिससे मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

जर्जर भवन को ढहाने नगर निगम ने शुरू की कार्यवाही

कटनी नगर वासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा जर्जर एवं दुर्घटना संभावित भवनों के विरुद्ध कार्यवाही का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है।
निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा समय सीमा की बैठक में जर्जर भवन पर कार्यवाही को लेकर दिए गए निर्देशानुसार मंगलवार को महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड स्थित वैश्य गली के एक अत्यंत जर्जर एवं मानव आवास हेतु अनुपयुक्त भवन को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह ने बताया कि उक्त भवन लंबे समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में होने के कारण आसपास निवासरत नागरिकों एवं राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ था। पूर्व में भवन स्वामी को उक्त जर्जर भवन के रिमूवल की कार्यवाही के संबंध में सूचना पत्र भी प्रेषित किया गया था।

दहशत की रातः कटकोनी बाईपास के मारुति नंदन पेट्रोल पंप तक पहुंचने वाली थीं आग की लपटें, प्रशासन की मुस्तैदी से टला महाविनाश

हाईवे 78 पर हड़कंपः हवा के रुख ने बढ़ाई पेट्रोल पंप की तरफ आग, धनपुरी फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

बुढार। नेशनल हाईवे 78 पर बीती रात उस समय अफरा-तफरी और खलबली मच गई, जब अचानक सड़क के किनारे स्थित एक विद्युत ट्रांसफार्मर के समीप भीषण आग धधक उठी। हवा की रफ्तार के कारण आग की लपटें देखते ही देखते तेजी से पास ही स्थित मारुति नंदन पेट्रोल पंप की ओर बढ़ने लगीं। इस स्थिति से वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया, लेकिन पुलिस और विद्युत विभाग की त्वरित सूझबूझ के कारण एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

अधिकारियों की संयुक्त टीम ने संभाला मोर्चा

जब आग ने अपना भीषण रूप धारण कर लिया और खतरा बढ़ने लगा, तभी सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के सहायक अभियंता सुभाष सेन और थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार अपनी संयुक्त टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बिना वक्त गंवाए मोर्चा संभाला और फायर ब्रिगेड के माध्यम से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस त्वरित कार्रवाई से विद्युत विभाग को भी एक बड़े आर्थिक और बुनियादी ढांचे के नुकसान से बचा लिया गया।

फायर ब्रिगेड की कार्रवाईः अनुभव की कमी पड़ी भारी, धनपुरी टीम ने पाया काबू

आग बुझाने के दौरान मौके पर प्रशासनिक तालमेल और अनुभव का बड़ा अंतर देखने को मिला। नगर परिषद बुढार की टीमः घटना की जानकारी मिलते ही सबसे पहले नगर परिषद कार्यालय बुढार का फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा। लेकिन, फायरमैन के पर्याप्त अनुभवी न होने के कारण वे आग पर पूरी तरह काबू पाने में नाकाम रहे और लपटें बढ़ती रहीं।
नगर पालिका धनपुरी की टीमः जैसे ही हालात बिगड़ने की खबर धनपुरी नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम को मिली, वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। धनपुरी की टीम ने अपने अनुभव और कुशलता का परिचय देते हुए कुछ ही देरी में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया।राहत की बातः इस पूरी घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है। पुलिस और विद्युत विभाग की सजगता के कारण पेट्रोल पंप जैसी संवेदनशील जगह को सुरक्षित बचा लिया गया, जिससे एक बड़ा विनाशकारी हादसा होते-होते रुक गया।

पीड़ित मरीजों को निःशुल्क मेडिकल उपकरणों का सुगमता से अर्जित कराया जा रहा लाभ

समाज सेवा की दिशा में 'सेठिया सेवा संस्थान' बुढार की अनूठी मिसाल

बुढ़ार। जरूरतमंद और अस्वस्थ व्यक्तियों आपातकालीन स्थिति में निःशुल्क मेडिकल उपकरण हासिल करायें जाने के पुनीत उद्देश्य से बुढ़ार में समाज सेवा की अनूठी मिसालः बुढार में 'सेठिया सेवा संस्थान' द्वारा अर्जित करायी जा रही है, और अर्जित करायें जाने वाले उपकरण का लाभ अर्जित करने के उपरांत संस्थान को वापस करायें जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।
सेवा परमो धर्मः₹ के मूल मंत्र के साथ, तथा नर सेवा को ही नारायण सेवा मानते हुए बुढ़ार नगर के वार्ड क्रमांक 14 में सेठिया सेवा संस्थान का शुभारंभ किया गया है, जिसे समाजसेविका श्रीमती रजनी सेठिया एवं समाजसेवी राजू सेठिया द्वारा पूज्य पिता एवं पूज्य मां के मिले शुभाशीष से किया गया हैं।सेठिया संस्थान का मुख्य उद्देश्य यह है कि-बुढार एवं आसपास के जरूरतमंद और अस्वस्थ व्यक्तियों को आपातकालीन स्थिति में मेडिकल उपकरण सुगमता से निःशुल्क मिल सके और पीड़ित जनो को राहत मिल सके।बुढार एवं आसपास के क्षेत्र में आयें दिन देखा जाता रहा है कि-आकसमिक गंभीर बीमारी या दुर्घटना के समय परिवारों को महंगे मेडिकल उपकरण जुटाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए, सेठिया सेवा संस्थान के राजू सेठिया जो समाजसेवा में बढ़-चढ़कर एक लंबे समय से अपनी सहभागिता का निर्वहन करते रहे है और विभिन्न स्वस्थ शिविरों में भी वे सहभागिता निभाते रहे हैं, के द्वारा पीड़ितो की सहायता के लिए पूरी तरह से निःशुल्क मेडिकल उपकरण उपलब्ध कराये जाने के पुनीत उद्देश्य से सेठिया संस्थान के माध्यम से अत्यावश्यक उपकरण जिनमें - ऑक्सीजन गैस सिलेंडर, हाइड्रोलिक फोल्डिंग पलंग, मरीज के लिए विशेष बेड, व्हील चेयर और स्ट्रेचर, वाकर और बैसाखी, एयर गद्दे से बचाव के लिए तथा नेबुलाइजर मशीन निःशुल्क रूप से उपलब्ध की सुविधा करायी गई है, और प्रदत्त उपकरण से लाभ अर्जित करने के उपरांत संस्थान को वापस पीड़ित परिवार द्वारा वापस करायी जायेगी, जिससे निरंतर पीड़ितजन उपकरण से लाभ हासिल कर सकें।
मो.नं. 9993051190, 9893780299, वार्ड क्रमांक 14, ओम ट्रेडर्स के पीछे, बुढ़ार पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं।समाजसेवी राजू सेठिया ने बताया कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति इन उपकरणों की सहायता के लिए सीधे संस्थान से संपर्क कर सकता है।सेठिया संस्थान के इस सेवाभावी कदम की नगर और आसपास के क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों द्वारा काफी सराहना की जा रही है, और लोगों का मानना है कि इस पहल से स्थानीय स्तर पर आर्थिक स्थिति से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों को बहुत बड़ी राहत मिल सकेगी।

दवा व्यवसायी ऑनलाइन दवा की बिक्री बंद किये जाने के मांग को लेकर विरोध जताते हुए प्रतिष्ठानों को पूर्णतः बंद रखे

बुढार। बुढार एवं कोयलांचल क्षेत्र में स्थित दवा व्यवसायियों ने आल इण्डिया एवं म.प्र. केमिस्ट्स ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर न्यायसंगत मांग को लेकर 20 मई को दवा दुकानें पूर्णतः बन्द रखी, जिससे मरीजों को अत्यावश्यक दवाईयो को प्राप्त करने कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।आल इण्डिया केमिस्ट एवं म.प्र. केमिस्ट ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर दवा विक्रेता अपनी मांगों को लेकर 20 मई को अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को पूर्णतः बन्द रखकर अपनी एकता का परिचय दिये और न्याय संगत मांगों की आवाज बुलन्द किये।दवा व्यवसायियों ने-ऑनलाइन दवा की बिक्री बन्द किये जाने, कारपोरेट्स द्वारा शोषणकारी मूल्य निर्धारण को बन्द किये जाने, नकली दवाइयों से देश को बचाने तथा नीएसआर 817 दिनांक 28 अगस्त 2018 एवं नीएसआर 220 दिनांक 26 मार्च 2020 को वापस लिये जाने की न्याय संगत मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन का निर्णय किया और आल इण्डिया एवं म.प्र. केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर जिले के साथ-साथ कोयलांचल क्षेत्र बुढार के दवा व्यवसायी अपने प्रतिष्ठानों को पूर्णतः बन्द रखें, जिसके फलस्वरूप 20 मई को दवा की दुकानें बंद रहीं।

अमलाई के प्रदीप परोहा बने प्रदेश कांग्रेस सचिव, कार्यकर्ताओं में उत्साह

अमलाई। कांग्रेस संगठन ने जिला के सक्रिय नेता प्रदीप परोहा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन को मजबूती प्रदान करने वाला निर्णय बताया है। नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रदीप परोहा ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति एवं जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान, पूर्व अध्यक्ष रमेश सिंह, विद्याधर मिश्र, रविंदर यादव, अजय यादव, प्रदीप मिश्रा, राजेश मिश्रा एवं रवि मिश्रा सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने प्रदीप परोहा के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की है।

रेडक्रास सोसायटी से विसरता को उपलब्ध कराई गई 15 हजार रूपये की सहायता राशि

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को ग्राम लदेरा विसरता बैगा पिता नरेश बैगा ने बताया कि 11 वर्षीय बालक जो कि गंभीर बीमारी पेट के लीवर ट्रांन्स प्लान्ट होना डाक्टरों द्वारा बताया गया है । जिसका इसका यहाँ संभाव नहीं है। डाक्टरों व्दारा बालक को दिल्ली एम्स में दिखाते इसका इलाज कराने की सलाह दी है । जिसका ईलाज चल रहा है। प्रार्थी एक मजदूर होने के कारण बच्चे का ईलाज नहीं करवा पा रहा है, तथा प्रार्थी का कोई आय का स्तोत्र नहीं है। ईलाज के साथ-साथ आने जाने व खाने किराया की माँग की गई है। जिसके बाद कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रास सोसायटी श्रीमती राखी सहाय ने 15000 (पन्द्रह हजार रूपये) की राशि रेडक्रास सोसायटी से भुगतान किये जाने के निर्देश दिये गये । निर्देश के परिपालन में संबंधित आवेदक को राशि रूपये 15000 (पन्द्रह हजार रूपये) रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर अखिलेश त्रिपाठी सभापति, राकेश शर्मा जिला सचिव प्रिन्स छगवानी सदस्य उपस्थिति रहे।

डेढ़ माह बाद भी एल्डरमैन नियुक्ति प्रक्रिया अधर में

पदभार ग्रहण नहीं होने से नगर परिषद बकहो की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

अमलाई। नगर परिषद बकहो में एल्डरमैन पदों की घोषणा हुए करीब डेढ़ माह बीत चुका है, लेकिन अब तक नियुक्ति एवं पदभार ग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं कराई गई है। घोषित नामों में पंकज नापित (वार्ड 01), अनिल वर्मा (वार्ड 04), राहुल जैन (वार्ड 04) एवं रजनीश प्रसाद मिश्रा (वार्ड 09) शामिल हैं, इसके बावजूद परिषद प्रशासन की ओर से अब तक किसी को आधिकारिक रूप से पदभार नहीं सौंपा गया। इस देरी को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि आखिर ऐसी क्या वजह है जिसके चलते जानबूझकर नियुक्ति प्रक्रिया को लंबित रखा जा रहा है। स्थानीय लोगों

नगर परिषद बकहो
जिला शहडोल (म.प्र.)

का कहना है कि एल्डरमैन की नियुक्ति होने के बाद परिषद के कार्यों में निगरानी बढ़ेगी और कई महत्वपूर्ण मुद्दे उजागर हो सकते हैं। ऐसे में जिम्मेदार लोग अपने ही कार्यों पर सवाल उठने के डर से प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं।मामला केवल एल्डरमैन नियुक्ति तक सीमित नहीं है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र के विकास एवं जनसमस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से गठित अंत्योदय समिति की बैठक भी घोषणा के बाद से अब तक आयोजित नहीं की गई है। जबकि इस समिति का उद्देश्य विकास कार्यों की समीक्षा एवं क्षेत्रीय समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करना था। नगर परिषद बकहो में इन दिनों भारी भरेंशाही का माहौल देखने को मिल रहा है। आरोप लग रहे हैं कि प्रशासन की मंशा के विपरीत परिषद के जिम्मेदार अपनी मनमर्जी चला रहे हैं और शासन द्वारा गठित समितियों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है।क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने पार्टी की मंशा के विपरीत जाकर पद हासिल किया था, लेकिन अब वही लोग पार्टी के नियम-कायदों एवं संगठन की भावना के विपरीत कार्य कर रहे हैं। इतना ही नहीं, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं प्रशासन द्वारा घोषित समितियों की लगातार अनदेखी किए जाने के आरोप भी लग रहे हैं।क्षेत्रवासियों में इस पूरे मामले को लेकर भारी नाराजगी व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि पारदर्शिता से बचने की एक सोची-समझी रणनीति हो सकती है। नगर विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले भी इस देरी के कारण प्रभावित हो रहे हैं।

कार्यों को समय पर पूर्ण कराने निरीक्षण कर मैदानी स्थिति का लें जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला पंचायत में मंगलवार को संचार संकर्म समिति की बैठक अजय गोटिया की अध्यक्षता एवं सचिव ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की प्रभारी कार्यपालन यंत्री श्रीमती मेघा मौर्य की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में लोक निर्माण,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,जल विकास निगम मंडल शहडोल एवं आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा गत दो वर्षों में कराए गए निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा हुई। गत दिवस कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत बहोरीबंद के ग्राम बरतरा- बरतरी में बीएसएनएल के ठेकेदार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन की खुदाई कर क्षतिग्रस्त करने के मामले में कलेक्टर आशीष तिवारी ने संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे।
इस बात की अजय गोटिया सहित अन्य सदस्यों ने आम जनता, नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता एवं पीड़ा से हुए दर्द को महसूस करते हुए उठाया गया कदम बताया। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा कराए गए कार्यों के संबंध में विस्तार से बिंदुवार जानकारी से सदन को अवगत कराया। इसके पूर्व अधिकारियों द्वारा पूर्व की बैठक के पालन प्रतिवेदन पर विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गोटियां ने कहा कि अपूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों को नियत समय में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। जिला प्रशासन के मुखिया आशीष तिवारी एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा जनहित में लिए जा रहे निर्णयों और कार्यों को मूर्त रूप देने में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ें। अध्यक्षता करते हुए श्री गोटियां ने मैदानी भ्रमण कर निगरानी करने एवं जनहित में सार्थक प्रयास और परिश्रम द्वारा काम करने की नसीहत दी। समीक्षा बैठक में संचार संकर्म समिति के सदस्य प्रेमलाल केवट, सुश्री माला मौसी, श्रीमती कविता पंकज राय तथा शरंगलाल पटेल एवं राजेश हल्दकार मनोनीत सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अवैध रुप से मादक पदार्थ गांजा रखने वाले आरोपियो को 03-03 साल का कारावास

अनूपपुर। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि घटना दिनांक 29.11..2022 को करीब 10.30 बजे से 18.35 बजे के मध्य थाना कोतवाली अनूपपुर अंतर्गत ग्राम-खांडा की है जहाँ आरोपी सुनील भताडा, संजीत भताडा दोनो निवासी ग्राम लिकडीगुडा, जिला कोरिया उडीसा, एवं आरोपी हरावती हरिजन निवासी बोरगांव जिला नौरंगपुरा उडीसा के बैग से 04 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं आरोपी संतोष गोस्वामी निवासी खांडा के आधिपत्य में 03 किलो 500 ग्राम विक्रय हेतु प्राप्त हुआ था। चारो आरोपी गांजा विक्रय हेतु रखे थे जो स्वापक औषधि मनः प्रभावि पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा-8 के अंतर्गत जारी अधिसूचना कं0 एस0ओ0 390(इ) दिनांक 30.05.1989 का उलंघन है और जारी अधिसूचना क्रं0 एस0ओ0 1055(इ) दिनांक 19.10.2001 के अनुसार उक्त मादक पदार्थ गांजा, जो वाणिज्यिक मात्रा से कम, किन्तु अल्प मात्रा से अधिक था। दिनांक 29.11.2022 को कार्यवाहीकर्ता अधिकारी को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी संतोष गोस्वामी निवासी खांडा के घर में एक महिला व दो पुरूष अवैध मादक पदार्थ गॉजा बिक्री करने वाले है उक्त सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपियो के पास अवैध मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया अपराध के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट अपराध क्र0 715/2022 धारा 8/20 (बी)(पप)(बी) एन0डी0पी0एस0 एक्ट के अंतर्गत लेखबद्ध की गई। मामले में पुलिस की ओर से न्यायालय में संपूर्ण विवेचना के उपरांत अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल कें न्यायालय में सुनवाई की गयी जिसमें शासन की ओर से लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने 16 साक्षियों के साक्ष्य कराये और 101 दस्तावेजों को परीक्षत कराया गया। न्यायिक विज्ञान प्रयोग शाला सागर से रिपोर्ट भी धनामात्मक पाई गयी। साक्ष्य एवं विचारण उपरांत शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस तथा मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी सुनील भताडा, संजीत भताडा, हरावती हरिजन तथा संतोष गोस्वामी को स्वापक औषधि मनः प्रभावि पदार्थ अधिनियम 1985/एन0डी0पी0एस0 एक्ट 1885 की धारा 20(बी)(पप)(बी) में दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया गया जिसमें आरोपी को 03-03 साल का कारावास एवं 20,000 रू0 जुर्माना से दंडित किया गया। आरोपी जमानत में थे इसलिये आरोपियों को निर्णय उपरान्त न्यायायिक अभिरक्षा में जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया।

लोक संवाद की विरासत को संजोती पुस्तक का हुआ लोकार्पण

अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र मिश्रा की पुस्तक 'परम्परागत जनमाध्यम- उत्पत्ति, उत्कर्ष एवं उपादेयता' का लोकार्पण किया गया है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अवधेश कुमार शुक्ल ने कहा कि परम्परागत जनमाध्यम भारत के इतिहास, संस्कृति और प्राचीन संप्रेषण परंपरा को समझने का सबसे प्रभावी माध्यम रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक लोक संचार के विविध स्वरूपों, उनके इतिहास और वर्तमान समय में उनकी उपयोगिता पर गंभीर प्रकाश डालती है। कार्यक्रम के दौरान प्राचीन इतिहास के विद्वान प्रो. आलोक श्रोत्रिय ने कहा कि लोक संवाद भारतीय सभ्यता की मूल आत्मा रहा है। चित्रों, ध्वनियों, भाषा और प्रतीकों के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने संप्रेषण की समृद्ध परंपरा विकसित की, जिसने संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने पुस्तक में लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति, मुहावरे, चित्रकारी और अन्य लोक माध्यमों पर प्रस्तुत सामग्री को अत्यंत उपयोगी बताया है। पुस्तक के लेखक प्रो. राघवेंद्र मिश्रा ने बताया कि लगभग 400 पृष्ठों की यह पुस्तक परम्परागत जनमाध्यमों के विभिन्न पक्षों को समेटने का प्रयास है। इसमें भारत सहित विश्व के विभिन्न महाद्वीपों और सभ्यताओं में प्रचलित संचार माध्यमों का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने बताया कि पुस्तक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। डां. संजय यादव ने पुस्तक को सरल, रोचक और तथ्यपरक बताते हुए कहा कि इसमें चित्रों एवं तालिकाओं के माध्यम से लोकमाध्यमों को व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिससे यह विद्यार्थियों, शोधार्थियों और अध्येताओं के लिए उपयोगी बन गई है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ फूटा केमिस्टों का गुस्सा

अनूपपुर जिले में बंद रहीं दवा दुकानें

देशभर में ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को अनूपपुर जिले के दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानें के शटर गिराकर एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की है। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर जिले के अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, राजनगर, चचाई और राजेंद्रग्राम सहित विभिन्न क्षेत्रों में मेडिकल स्टोर बंद रहे है। दवा व्यवसायियों ने ई-फार्मेसी कंपनियों पर नियमों की अनदेखी कर जनता के स्वास्थ्य और छोटे व्यापारियों की आजीविका से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

देश में तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन दवा कारोबार के खिलाफ दवा विक्रेताओं का विरोध अब खुलकर सामने आने लगा है। अनूपपुर जिले में बुधवार को दवा दुकानदारों ने सामूहिक रूप से मेडिकल स्टोर बंद रखकर केंद्र सरकार का ध्यान इस गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित किया है। मध्य प्रदेश राज्य केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के मार्गदर्शन में आयोजित इस आंदोलन में जिले के छोटे-बड़े सभी लाइसेंसधारी दवा विक्रेताओं ने हिस्सा लिया है। व्यवसायियों का कहना है कि अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री न केवल स्थापित कानूनों का उल्लंघन कर रही है, बल्कि मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी खतरा बनती जा रही है। दवा संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर कड़े नियम लागू करने, बिना डॉक्टर पर्चे के दवा वितरण रोकने और ई-फार्मेसी कंपनियों को मिल रही छूट नीति पर रोक लगाने की मांग की है। आंदोलन के दौरान पूरे जिले के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा है।

जिलेभर में बंद रहे मेडिकल स्टोर

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर अनूपपुर जिले के दवा व्यवसायियों ने ऐतिहासिक एकजुटता का प्रदर्शन किया है। जिले के अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, राजनगर, चचाई और राजेंद्रग्राम सहित कई क्षेत्रों में मेडिकल स्टोर पूरी तरह बंद रहे है। सुबह से ही बाजारों में सन्नाटा दिखाई दिया और दवा संघ के पदाधिकारी शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर उतरकर अपनी मांगों को लेकर विरोध जताते रहे है। आंदोलन में छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े लाइसेंसधारी केमिस्ट तक शामिल रहे है। व्यापारियों ने इसे अपनी आजीविका और जनता की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण आंदोलन बताया है।

ऑनलाइन दवा बिक्री को बताया स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए खतरा

दवा विक्रेताओं का कहना है कि इंटरनेट के माध्यम से हो रही अनियंत्रित दवा बिक्री देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। केमिस्टों ने आरोप लगाया कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना किसी वैध सत्यापन के शेड्यूल-एच और अन्य गंभीर दवाओं की डिलीवरी कर रहे हैं। इससे दवाओं के दुरुपयोग, नशे की प्रवृत्ति और गलत दवा सेवन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। दवा संघ के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट कहा कि दवा कोई सामान्य वस्तु नहीं है, जिसे किराने के सामान की तरह बेचा जाए। फार्मासिस्ट की निगरानी और उचित तापमान के बिना दवा वितरण मरीजों के जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

भारी डिस्काउंट नीति से छोटे व्यापारियों पर संकट

दवा विक्रेताओं ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट को अनुचित और जनविरोधी करार दिया। व्यापारियों का आरोप है कि बड़ी कंपनियां भारी निवेश और फंडिंग के दम पर घाटा उठाकर भी बाजार में कम कीमत पर दवाएं बेच रही हैं। इससे वर्षों से व्यवसाय कर रहे छोटे और मध्यम वर्गीय लाइसेंसधारी केमिस्ट आर्थिक संकट में पहुंच रहे हैं। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह बाजार में एकाधिकार स्थापित करने की सोची-समझी रणनीति है। यदि समय रहते सरकार ने हस्तक्षेप नहीं किया, तो लाखों परिवारों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा।

प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, सरकार से की सख्त कार्यवाही की मांग

हड़ताल के दौरान जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष राजेश जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने कलेक्टर हर्षल पंचोली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में ऑनलाइन दवा बिक्री से उत्पन्न हो रही गंभीर विसंगतियों और नियामकीय खामियों को विस्तार से बताया गया है। दवा संघ ने विशेष रूप से जीएसआर 817(ई) और जीएसआर 220(ई) जैसे गजट नोटिफिकेशन को वापस लेने की मांग उठाई है। प्रतिनिधियों का कहना है कि इन प्रावधानों का फायदा उठाकर कई ई-फार्मेसी कंपनियां नियमों की आड़ में अनियंत्रित तरीके से दवाओं की बिक्री कर रही हैं। उन्होंने सरकार से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की अपील की है।

कोविड काल के योगदान की दिलाई याद

दवा व्यवसायियों ने सरकार को कोविड-19 महामारी के दौरान निभाई गई अपनी भूमिका की भी याद दिलाई है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश लॉकडाउन में था, तब केमिस्टों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की थी। महामारी के कठिन दौर में दवा दुकानदार फ्रंटलाइन हेल्थ सपोर्ट सिस्टम का अहम हिस्सा बने रहे है। इसके बावजूद अवैध ऑनलाइन गतिविधियों के खिलाफ लगातार ज्ञापन और साक्ष्य देने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। केमिस्ट समुदाय ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि सरकार जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाती, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है।

बीएमओ निरीक्षण में खुलासा, डॉ. स्वयांशु दास के निवास पर अयोग्य कर्मचारी करते मिले इलाज

आठवीं-दसवीं पास कर्मचारी डॉक्टर की गैर मौजूदगी में कर रहे इलाज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले के जैतहरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। संविदा चिकित्सक डॉ. स्वयांशु दास पर शासकीय ड्यूटी के समय में निजी प्रैक्टिस करने तथा अपने शासकीय निवास में अवैध रूप से मरीजों का इलाज कराने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले को लेकर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार डॉ. स्वयांशु दास, जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरेला में संविदा चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं और वर्तमान में जैतहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न हैं, उनके निजी निवास में कथित रूप से प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों का इलाज किया जा रहा है। आरोप है कि डॉक्टर की अनुपस्थिति में भी वहां कार्यरत अयोग्य कर्मचारी मरीजों को ड्रिप लगाने, दवाइयां देने और इलाज करने जैसे कार्य खुलेआम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला महामंत्री एवं नगर परिषद जैतहरी के सभापति कैलाश सिंह मरावी ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कलेक्टर एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से कठोर और त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जैतहरी तहसील, एसडीएम कार्यालय, थाना, नगर परिषद सहित कई प्रमुख कार्यालयों का मुख्यालय होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग में इस प्रकार का खुला खेल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। मामले की शिकायतों के बाद ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. श्याम द्वारा 19 मई को औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि डॉ. स्वयांशु दास के अवकाश पर रहने के बावजूद उनके निवास पर कर्मचारी मरीजों का इलाज करते मिले। पूछताछ में कर्मचारियों ने बताया कि वे डॉक्टर से फोन पर निर्देश लेकर इलाज करते हैं। बीएमओ की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि उक्त कर्मचारी चिकित्सकीय कार्य करने के लिए अयोग्य एवं अपात्र हैं। बीएमओ द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि डॉ. स्वयांशु दास को कई बार मौखिक रूप से समझाइश दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद शासकीय समय में निजी प्रैक्टिस लगातार जारी रही और उच्च अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गरीब मरीजों का आर्थिक शोषण करते हुए लाखों रुपये प्रतिमाह कमाए जा रहे हैं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था को निजी कमाई का माध्यम बना दिया गया है। अब पूरे मामले में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सार्थक ऐप में फर्जी हाजिरी मामले में लीड कॉलेज सख्त, अतिथि विद्वानों को नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Bilaspur Korea - 10 May 2026 - Page 1
फर्जी डिजिटल उपस्थिति का मामला तूल पकड़ा

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय राजनगर में सार्थक ऐप के माध्यम से गलत लोकेशन से उपस्थिति दर्ज किए जाने के मामले में अब प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। मामले को लेकर प्रकाशित खबर के बाद प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा राजनगर महाविद्यालय के अतिथि विद्वानों और प्राचार्य को नोटिस जारी किया गया है। जारी पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि कुछ अतिथि विद्वानों की उपस्थिति सार्थक ऐप पर सही लोकेशन में प्रदर्शित नहीं हो रही थी। इसे गंभीर मानते हुए संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही राजनगर महाविद्यालय प्रशासन से जुलाई 2025 से अब तक अतिथि विद्वानों को दिए गए अवकाश एवं कर्तव्य अवकाश से संबंधित सभी आदेशों की प्रतियां मांगी गई हैं।

अतिथि विद्वान को कारण बताओ नोटिस

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अनूपपुर द्वारा जारी एक पत्र में राजनीति शास्त्र के अतिथि विद्वान रतन कुमार सेन एवं अन्य शिक्षक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। पत्र में कहा गया है कि अप्रैल 2026 के दौरान सार्थक ऐप पर उनकी उपस्थिति सही लोकेशन पर प्रदर्शित नहीं हो रही थी। इस संबंध में उन्हें 12 मई 2026 तक स्वयं उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्राचार्य से मांगी गई अवकाश संबंधी जानकारी

एक अन्य पत्र राजनगर महाविद्यालय के प्राचार्य के नाम जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि महाविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों की उपस्थिति सार्थक ऐप पर सही लोकेशन में दर्ज नहीं हो रही थी। इस मामले में जुलाई 2025 से अब तक अतिथि विद्वानों को दिए गए सभी अवकाश एवं कर्तव्य अवकाश आदेशों की माहवार प्रतियां प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

खबर के बाद हरकत में आया प्रशासन

गौरतलब है कि पूर्व में प्रकाशित खबर में यह खुलासा किया गया था, कि कुछ अतिथि विद्वान कॉलेज में उपस्थित हुए बिना ही अपने गृह क्षेत्र अथवा जिले से बाहर रहते हुए डिजिटल हाजिरी लगा रहे थे। मामला सामने आने के बाद अब लीड कॉलेज स्तर पर जांच तेज हो गई है।

झाड़ियों में छिपा कर रखा गया 56 किलो गांजा बरामद, करनपठार पुलिस की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के मध्यप्रदेश पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चौकी सरई क्षेत्र से 56 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने करीब 6 लाख 60 हजार रुपये मूल्य के गांजे को जप्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन में थाना करनपठार प्रभारी निरीक्षक बीरेन्द्र कुमार बरकरे के नेतृत्व में यह कार्यवाही की गई है। पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बड़ीतुम्मी स्थित जैन क्रेशर के पास दतिरहा नाला किनारे झाड़ियों में बड़ी मात्रा में गांजा छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सरई उप निरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे ने नियमानुसार स्वतंत्र साक्षियों को बुलाकर पूरी प्रक्रिया प्रारंभ की है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर झाड़ियों और बंद पड़े क्रेशर क्षेत्र की तलाशी ली, जहां तीन नायलॉन बोरियों में लावारिस हालत में गांजा छिपाकर रखा मिला है। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौल करने पर कुल 56 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने मौके पर ही वीडियोग्राफी कर जप्ती, सीलबंदी और पंचनामा की कार्यवाही पूरी की है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 6.60 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में संभावित तस्करों और सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।इस कार्यवाही में उप निरीक्षक मंगला दुबे, प्रधान आरक्षक रामप्रसाद सिंह मरावी, फूल सिंह श्याम, आरक्षक साहब सौर एवं नीरज गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रेल पुलिस के नाक के नीचे तेंदूपत्ता का हो रहा अवैधानिक परिवहन

सूचना पर वन विभाग ने अनूपपुर रेलवे स्टेशन किया 10 बोरा अवैधानिक तेंदूपत्ता जप्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन में रेल पुलिस के नाक के नीचे दमोह सागर इलाके से भारी संख्या में अनूपपुर के ग्रामीण अंचलों से अवैधानिक रूप से बहुमूल्य वनोपज तेंदूपत्ता का अवैधानिक रूप से टेन से परिवहन किया जा रहा है मंगलवार को बुधवार की रात को जागरूक नागरिकों की सूचना पर अनूपपुर वन विभाग द्वारा अवैधानिक रूप से परिवहन किया जा रहा 10 बोरा तेंदूपत्ता को जप्त कर रेल पुलिस के हवाले किया जबकि सैकडो की संख्या में आए ग्रामीण बिलासपुर भोपाल पैसेंजर ट्रेन में भरकर तेंदूपता ले जाने में सफल कर रहे हैं। दमोह सागर जिले के सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनूपपुर जिले के ग्रामीण अंचलों के जंगल एवं जंगल के आसपास से दिन के समय चोरी छुपे बहुमूल्य वनोपज तेंदूपत्ता का अवैधानिक रूप से संग्रहण कर बोरों में भर कर ट्रेन के माध्यम से अवैधानिक रूप से परिवहन किया जा रहा है मंगलवार एवं बुधवार की रात नगर की जागरुक नागरिक संदीप दीक्षित एवं वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल की सूचना पर अनूपपुर वन विभाग के द्वारा अनूपपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म में पहुंचकर भारी मात्रा में तेंदूपत्ता से भरा बोरा लेकर बिलासपुर भोपाल ट्रेन में ले जाने की सूचना पर पहुंचकर बड़ा तेंदूपत्ता दस बोरा तेंदूपत्ता जप्त करते हुए देर रात में सुरक्षा हेतु वनरक्षक राजबली साकेत एवं नर्मदा प्रसाद पटेल ने रेल पुलिस को रात के समय सुरक्षा हेतु सुपुर्द किया। अनूपपुर जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन में रेल सुरक्षा बल एवं पुलिस चौकी में भारी मात्रा में रेलवे की संपत्ति, सुरक्षा एवं अवैधानिक गतिविधियों पर निगरानी हेतु पुलिस की तैनाती है जिनके नाक के नीचे सैकड़ो की संख्या में दमोह सागर की ओर से भारी संख्या में ग्रामीण कई घंटे तक रेलवे प्लेटफार्म क्रमांक 3 एवं 4 में समय व्यतीत करते हैं रेल सुरक्षा बल या रेल पुलिस के द्वारा या तो जानबूझकर या अन्य किसी कारण से कई घंटे तक भारी भरकम बोरो के साथ ठहरे इन व्यक्तियों एवं व्यक्तियों द्वारा रखे गए सामग्रियों की जांच नहीं करके या छुपाते हुए वन विभाग को समय पर सूचित नहीं किया जा रहा है ना ही रेल पुलिस स्वयं किसी भी तरह की कार्यवाही की जाती है।